किसी शायर ने खूब कहा है,

तेरे विरह का गम रहे सलामत , तो मेरे दिल को क्या कमी है |
यदि ज़िन्दगी में तू नहीं है श्याम , तो ज़िन्दगी ज़िन्दगी नहीं है ||

JAI SHRI RADHEY-KRISHANA

(जय श्री राधे कृष्णा)

गोलोकवासी सन्त श्री प्रभुदत्त ब्रह्मचारीजी

झूसी-प्रयाग (इलाहाबाद)

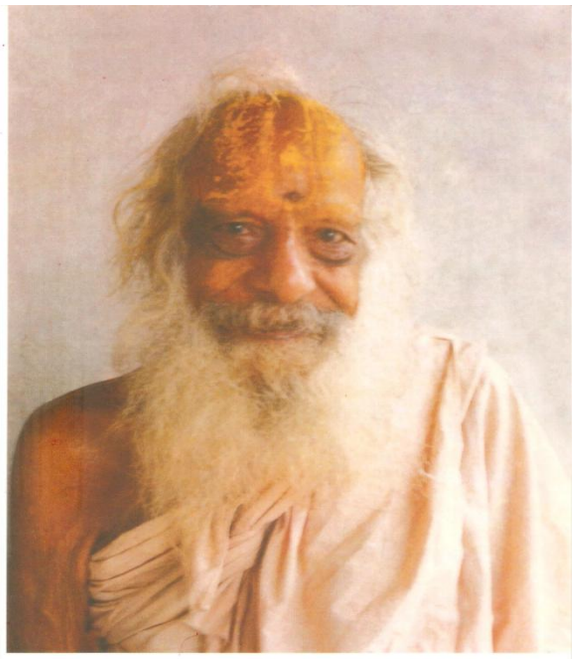

पूज्यपाद परम भागवत संत श्री प्रभुदत्त ब्रह्मचारी
झूंसी-प्रयाग

गोलोकवासी सन्त श्री प्रभुदत्त ब्रह्मचारीजी (झूसी, प्रयाग) का जन्म वर्ष 1880 में भगवान श्री कृष्ण का परम पावन धाम ब्रज में हुआ था | लगभग 110 वर्ष की आयु में वर्ष 1990 - फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा (होली वाले दिन) को अपनी देह का त्याग कर गोलोक धाम को पधार गये |

इन्होंने 23 वर्षों में (Yr. 1944 - Yr. 1967) प्रयाग, संगम में बैठ कर कई रचनायें की जिसमे **118** भागवती कथाओं के खण्ड (पुस्तकें) प्रमुख हैं लेकिन वो एक अच्छे ढंग से प्रकाशित नहीं हो सके.| **118** भागवती कथाओं के खण्ड में **60** खण्ड (पुस्तकों) में पूरी भागवत पुराण है , **8** खण्ड (पुस्तकों) में भागवत पुराण की सारी स्तुतियाँ और उनकी व्याख्या है , **16** खण्ड (पुस्तकों) में भागवत गीता के सम्पूर्ण 700 शलोकों की व्याख्या है , **24** खण्ड (पुस्तकों) में उपनिषदों के बारे में व्याख्या की गयी है , **10** खण्ड (पुस्तकों) में ब्रह्मसूत्र के बारे में व्याख्या की गयी है | इसी समय के बीच में आपने **श्री चैतन्य चरितावली** पुस्तक को भी लिखा जिसमे चैतन्य महाप्रभुजी का चरित्र बड़े सुन्दर ढंग से प्रस्तुत है.| श्री चैतन्य चरितावली पुस्तक **गीता प्रेस, गोरखपुर से प्रकाशित** है और हर स्थान पर इसकी उपलब्धि है |

<u>गोलोकवासी सन्त श्री प्रभुदत्त ब्रह्मचारीजी (झूसी, प्रयाग)</u> ने वर्ष 1989 में संकीर्तन भवन जो कि वसन्त गॉव (आर० आर० अस्पताल के सामने), नई दिल्ली में है, वहाँ **श्री संकट मोचन हनुमानजी** को एक **40 फ़ीट ऊँची ग्रेनाइट पत्थर (Single Piece Granite Stone)** की मूर्ति द्वारा स्थापित किया | यह स्थान दिल्ली एयरपोर्ट से लगभग 5 किलोमीटर की दूरी पर है |

<u>गोलोकवासी</u> सन्त श्री प्रभुदत्त ब्रह्मचारीजी के शिष्य

जवाहरजी लखनऊ निवासी

Doing One-Day Bhagvat Puran Katha also

(केवल एक दिवसीय भगवत पुराण कथा भी करते हैं)

संक्षिप्त विवरण जवाहरजी महाराज का (वक्ता) - 70 वर्षीय, प्रशिक्षित (Well Qualified-Graduate in Mech. Engg. & Graduate in Industrial Engg with **Silver Medal**), संसारिक-परिवारिक-व्यवसायिक अनुभव प्राप्त गृहस्थी व्यक्ति हैं | बहुराष्ट्रीय कम्पनी में **41 वर्षों तक सीनियर मैनेजमेंट** (Senior Management) **में कार्य कर चुके हैं** | उसी Management Service के साथ साथ **जवाहरजी ने भागवत पुराण** की **कथाओं का प्रारम्भ लगभग 20 वर्ष पूर्व लखनऊ क्षेत्र में शुरू कर दिया था | और अभी भी कथायें चलती रहती हैं। राँची शहर में भी दो भागवत पुराण के सप्ताह कर चुके हैं।** आपने **कैलाश मानसरोवर, Houston-USA** में भी **भागवत पुराण** की कथायें की हैं |

JLM Receiving
SILVER MEDAL
on 07.10.1993 (Fri)

From Honourable
Governor of Andhra Pradesh
Sh.KRISHAN KANT.

Sh.KRISHAN KANT remained
Vice President of India
(भारत के उपराष्ट्रपति)
From 21.08.1997 – 21.07.2002

J.L.MALHOTRA receiving SILVER MEDAL from GOVERNOR OF ANDHRA PRADESH, Shri KRISHAN KANT on 07.10.1993 (Thu) at HYDERABAD (Holiday Inn Hotel, Banjara Hills, Hyderabad).

SILVER MEDAL was awarded by INDIAN INSTITUTION OF INDUSTRIAL ENGINEERING, BOMBAY for obtaining THIRD RANK in the final examination of GRADUATESHIP IN INDUSTRIAL ENGINEERING.

JAI SHRI RADHEY - JAI SHRI KRISHANA

Jawahar (J.L.Malhotra)